

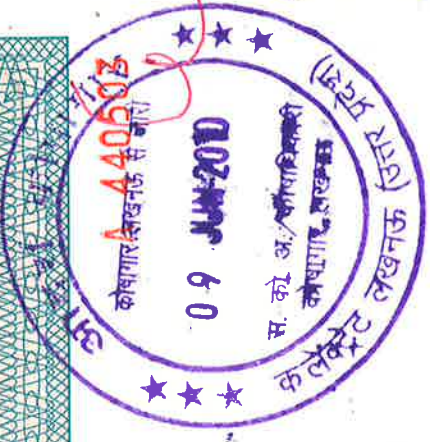
68/140

13129/10

5448



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



श्री १६६६०



श्री राम

विक्रय-पत्र

लेख पत्र का संक्षिप्त विवरण

- 1. भूमि का प्रकार : कृषि
- 2. परगना : बिजनौर
- 3. ग्राम : निजामपुर मझिगावां
- 4. सम्पत्ति का विवरण : भूमि खसरा संख्या -139 (सम्पत्ति नं०)

श्री १६६६०



श्री १६६६०

श्री १६६६०



श्री १६६६०





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 2 -

- |                                  |                   |
|----------------------------------|-------------------|
| 5. मापन की इकाई                  | : हेक्टेअर        |
| 6. विक्रीत सम्पत्ति का क्षेत्रफल | : 0.2380 हेक्टेअर |
| 7. सम्पत्ति का प्रकार            | : कृषि            |
| 8. पेड़ों का मूल्यांकन           | : कुछ नहीं        |
| 9. बोरिंग/कुआ/अन्य               | : कुछ भी नहीं     |
| 10. प्रतिफल की धनराशि            | : ₹0 21,63,325/-  |
| 11. मालियत                       | : ₹0 4,28,400/-   |
| 12. स्टाम्प                      | : ₹0 1,51,500/-   |

चौहद्दी

खसरा न० 139

- |        |                         |
|--------|-------------------------|
| पूरब   | : खसरा संख्या-153 व 154 |
| पश्चिम | : चकमार्ग               |
| उत्तर  | : खसरा संख्या-150       |
| दक्षिण | : खसरा संख्या-140       |

7-अ.



लखनऊ

7-अ.

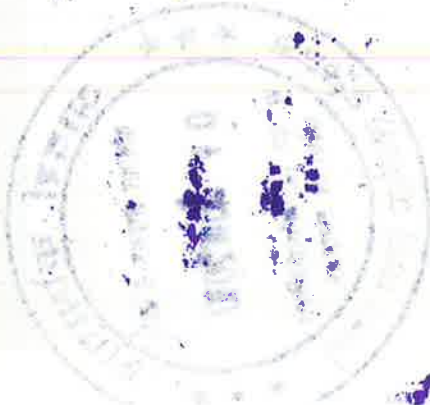


श्री राक

विश्वविद्यालय, मुंबई  
संस्कृत विभाग  
मुंबई

२०२३

२०२३





आदर्श कोलायट प्रसिद्ध  
दिनांक 27/11/2019  
मूल्य 500/-  
प्राप्त 500/-  
आदर्श कोलायट प्रसिद्ध

आदर्श कोलायट

आदर्श कोलायट





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 4 -

### विक्रय विलेख

यह विक्रय विलेख साहबदीन पुत्र पूरनमासी, निवासी-  
निजामपुर मझिगावां, परगना- बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ  
जिन्हे आगे विक्रेता कहा गया है, एवम श्री राम पुत्र राम दीन  
निवासी-115, सदर, रायबरेली, उप्र० जिन्हे आगे क्रेता कहा  
गया है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेता कृषि भूमि खसरा संख्या-139 रकबा 0.2380  
हेक्टेअर, स्थित ग्राम निजामपुर मझिगावां, परगना बिजनौर,

नि.का.



साहबदीन

नि.का.



श्रीराम





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 261999



- 5 -

तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, कामिल व काबिज है जो विक्रेता को वरासतन प्राप्त हुई है तथा उपरोक्त सत्यापित षटवार्षिक खतौनी फसली वर्ष 1413 से 1418 के खाता खतौनी क्रम संख्या-00225 के अनुसार विक्रेता के नाम अमल दरामद हो चुका है। उक्त आराजी आज विक्रेता के कब्जे व दखल मालिकाना में मौजूद है और जो कहीं विक्रय, हिबा, ऋणभार, कुर्की, व जमानत आदि से ग्रसित नहीं है, उक्त आराजी में किसी अन्य व्यक्ति का कोई स्वामित्व एवं अधिकार नहीं है और न ही कोई

सि.अ.



सिद्धवती

सि.अ.



सि.अ.

1647  
1648  
1649  
1650  
1651  
1652  
1653  
1654  
1655  
1656  
1657  
1658  
1659  
1660  
1661  
1662  
1663  
1664  
1665  
1666  
1667  
1668  
1669  
1670  
1671  
1672  
1673  
1674  
1675  
1676  
1677  
1678  
1679  
1680  
1681  
1682  
1683  
1684  
1685  
1686  
1687  
1688  
1689  
1690  
1691  
1692  
1693  
1694  
1695  
1696  
1697  
1698  
1699  
1700

STATE OF TEXAS  
COUNTY OF [illegible]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 261998

- 6 -

व्यक्ति भागीदार है, अब बजरूत खुद विक्रेता के उसी आराजी रकबा उपरोक्त को पूर्ण स्वामित्व एवं अधिकारों सहित बिना छोड़े किसी चीज व हक के खूब सोंच व समझकर बिना किसी दबाव के, बएवज मुबलिंग रू0 21,63,325/- (रूपया इक्कीस लाख तिरसठ हजार तीन सौ पच्चीस मात्र) में क्रेता उपरोक्त को बय कतई किया, और कुल विक्रय धनराशि कब्ल तहरीर दस्तावेज हाजा क्रेता उपरोक्त से नीचे दिये गये विवरण के अनुसार प्राप्त करके कब्जा व दखल मालिकाना आराजी बयशुदा पर आज की

नि. श.



खाएवदनि

नि. श.



श्री रति

Handwritten notes in purple ink, including the word "WATER" and other illegible scribbles.





SECRET  
10/14/78  
SECRET

SECRET

SECRET





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

L 717642



- 8 -

विक्रय धनराशि मय हर्जा-खर्चा व नुकसान के सब विक्रेता व वारिसान विक्रेता से व विक्रेता की अन्य सम्पत्ति चल व अचल से जरिये न्यायालय प्राप्त कर लें, इसमें विक्रेता व वारिसान विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

अब क्रेता उपरोक्त को पूरा अधिकार है कि वह विक्रीत आराजी के सम्बन्ध में समस्त सरकारी अभिलेखों में अपने नाम दाखिल-खारिज करा लें।

दि. ०८



सहस्र

दि. ०८



सहस्र

Handwritten text in purple ink, possibly a signature or name, including the letters "SIR" and "M".



आराजी उपरोक्त में खेती होती है, आराजी उपरोक्त में पेड़, ट्युबवेल, कुआं व इमारत आदि नहीं है। आराजी उपरोक्त के 200 मीटर त्रिज्या में कोई निर्माण आदि नहीं है।

आराजी उपरोक्त किसी लिंक मार्ग जनपदीय मार्ग व राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नहीं है।

आराजी स्थित ग्राम निजामपुर मझिगवां, परगना- बिजनौर के अर्धनगरीय क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है जो नगर निगम सीमा के बाहर स्थित है जिसकी कृषि भूमि की बाजारु कीमत 18,00,000/- रूपया प्रति हेक्टेअर की दर से निर्धारित है, जिसके अनुसार विक्रीत भूमि जिसका रकबा 0.2380 की मालियत रू0 4,28,400/- होती है जो कि विक्रय मूल्य से कम है, अतः नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही जनरल स्टाम्प शुल्क 1,51,500/- के अदा किये जा रहे है।

उपरोक्त आराजी मुख्य मार्ग शहीद पथ से लगभग 1 किमी से अधिक दूरी पर स्थित है।

विक्रेता व क्रेता अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। उक्त आराजी किसी योजना व किसी सरकारी व अर्ध सरकारी संस्था द्वारा अधिगृहीत नहीं है।

सि - 2016



लखनऊ

सि.क.



शहीद

Faint, illegible text, possibly bleed-through from the reverse side of the page.



विवरण भुगतान

1. विक्रेता को रू0 20,63,325/- (रूपया बीस लाख तिरसठ हजार तीन सौ पच्चीस मात्र) जरिये चेक संख्या-317848 दिनांकित 14.07.2010 पंजाब नेशनल बैंक, शाखा-हजरतगंज, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

2. विक्रेता को रू0 1,00,000/- (रूपया एक लाख मात्र) नगद क्रेता से प्राप्त हुए।

इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य लखनऊ रू0 21,63,325/- (रूपया इक्कीस लाख तिरसठ हजार तीन सौ पच्चीस मात्र) विक्रेता ने क्रेता से वसूल पाया।

लिहाजा यह दस्तावेज विक्रेता ने अपनी खुशी व रजामन्दी से खूब सोंच व समझकर बिना किसी दबाव के, क्रेता उपरोक्त के पक्ष में लिख दिया ताकि सदन रहे और वक्त जरूरत पर काम आवें।

यह कि ऊपर प्रयोग किये गये शब्दों “विक्रेता” एवं “क्रेता” में, जब तक वे प्रसंग के प्रतिकूल न हो, उनके विधिक प्रतिनिधिगण व उत्तराधिकारीगण भी सम्मिलित है।

(- अं



सहचर

ने.कं



सही

2,163,325.00/ 428,400.00

विक्रय पत्र

10,000.00 20 10,020.00 1,000

फीस रजिस्ट्री नकल व प्रति शुल्क योग शब्द लगभग

प्रतिफल मालिचत

श्री साहबदीन

पुत्र श्री पूरनमासी

व्यवसाय कृषि

21. 21

निवासी स्थायी निजामपुर नक्षिगवॉ पर. बिजनौर, लखनऊ  
आस्थापी पत्ता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में

दिनांक 14/7/2010

समय 5:37PM

वजे निबन्धन हेतु पेश किया।

राजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

पी.के. द्विवेदी

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

14/7/2010

श्री साहबदीन

पुत्र श्री पूरनमासी

पेशा कृषि

निवासी निजामपुर मक्षिगवॉ पर. बिजनौर, लखनऊ

21. 21

श्री श्री राम

पुत्र श्री राम दीन

पेशा व्यापार

निवासी 115, सदर रायबरेली

ने निष्पादन स्वीकार किया।

जिनकी पहचान श्री पंलज झा

पुत्र श्री राम नरेश झा

पेशा व्यापार

21. 21

निवासी लालबाग, लखनऊ

व श्री राम नरेश

पुत्र श्री छेदालाल

पेशा कृषि

निवासी नया पुरवा पो. हसनपुर खेवली लखनऊ

ने की।

21. 21

प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमासुसार लिये गये हैं।

राजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

पी.के. द्विवेदी

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

14/7/2010

अतः आज उभय पक्षों ने इस विक्रय विलेख पर अपने-अपने हस्ताक्षर करके इसे निष्पादित किया।

दिनांक:-14.07.2010

लखनऊ

गवाहान:-

1. पंकज कुमार  
राम नारायण  
महाराज

क्र. २५.  
विक्रेता  
लाइव डीप

2. रामगौरा शंभूदास  
पदा जीतलक्ष्मणपुर शंभूदास  
18/07/2010

क्र. २६.  
क्रेता  
श्रीधर

टाईपकर्ता:

Ram  
(राम सनेही)

मसविदाकर्ता:

P. Anurag  
(पाली अनुराग)

एडवोकेट,

विक्रेता

Registration No.: 13129

Year: 2,010

Book No.: 1

0101 साहबदीन

पूरनमासी

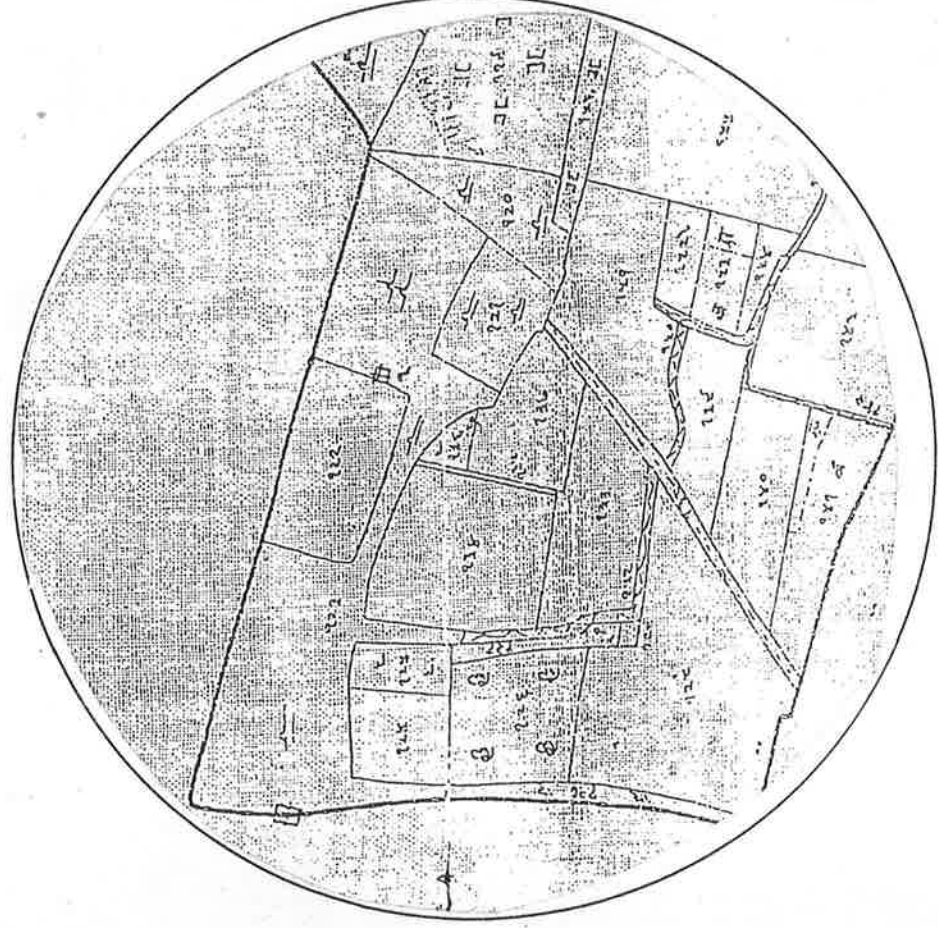
निजामपुर मस्जिदवाँ पं. बिजनौर, लखनऊ

कृषि



## नक्सा नजरी

ग्राम-  
खसरा संख्या-  
विक्रेता  
क्रेता



न. नं.



विक्रेता  
रमेश चंद्र

न. नं.



क्रेता  
श्री २१७

क्रेता

Registration No. : 13129

Year : 2,010

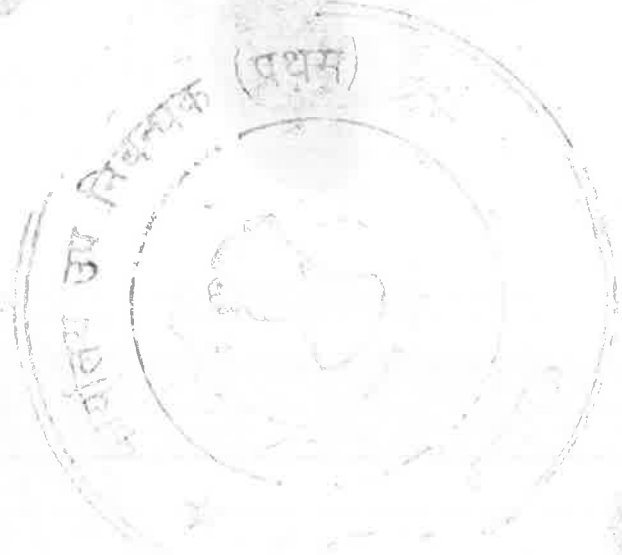
Book No. : 1

0201 श्री राम

राम दीन

115, सदर रायबरेली

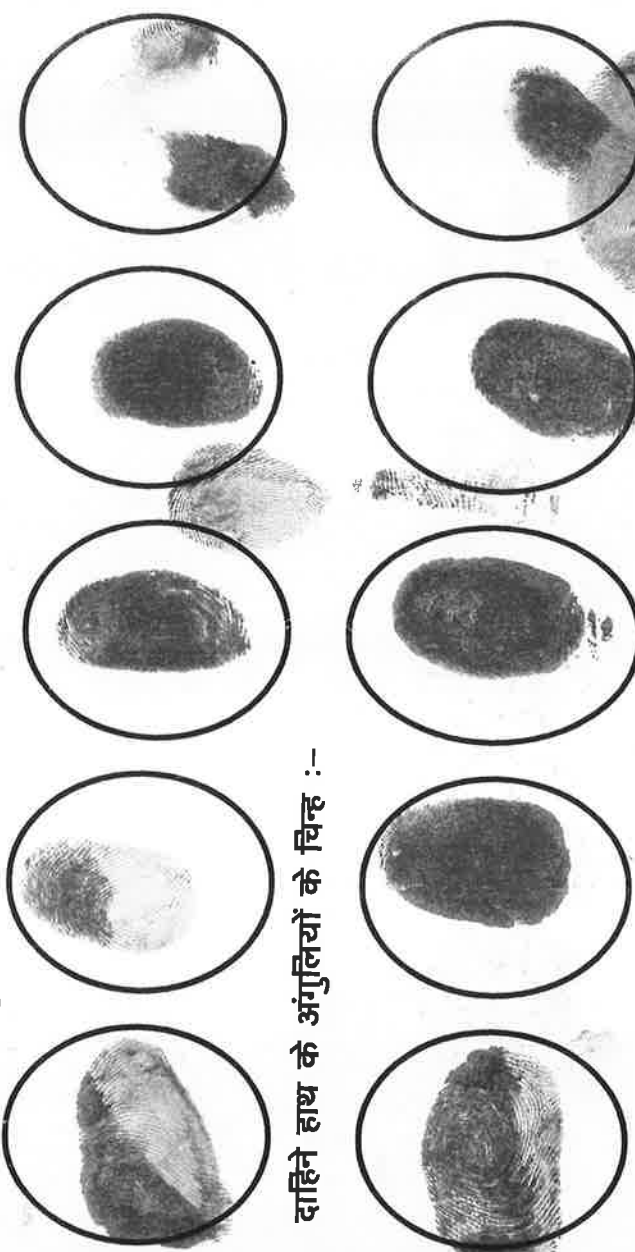
ब्यापार



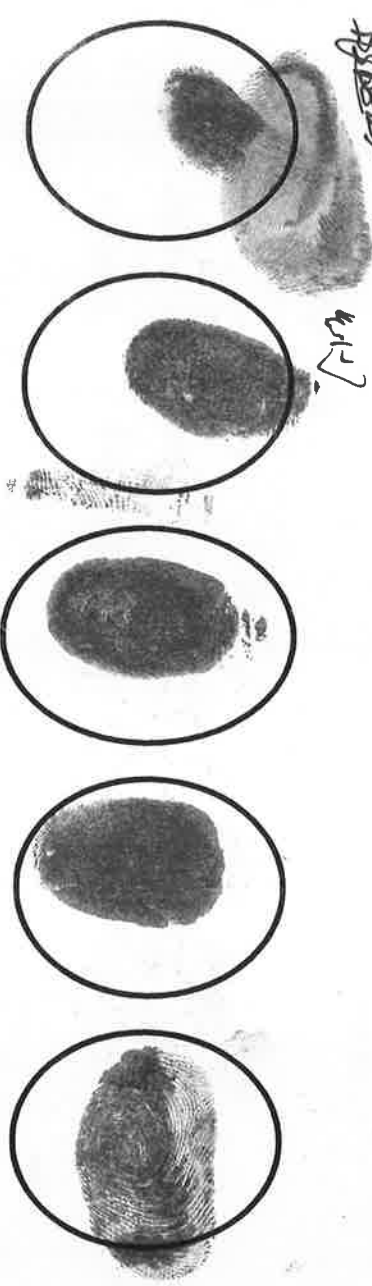
**रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु**

**फिंगर्स प्रिन्ट्स**

विक्रेता का नाम व पता:- साहबदीन पुत्र पूरनमासी, निवासी- निजामपुर मझिगवां,  
परगना- बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ  
**बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-**



**दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-**

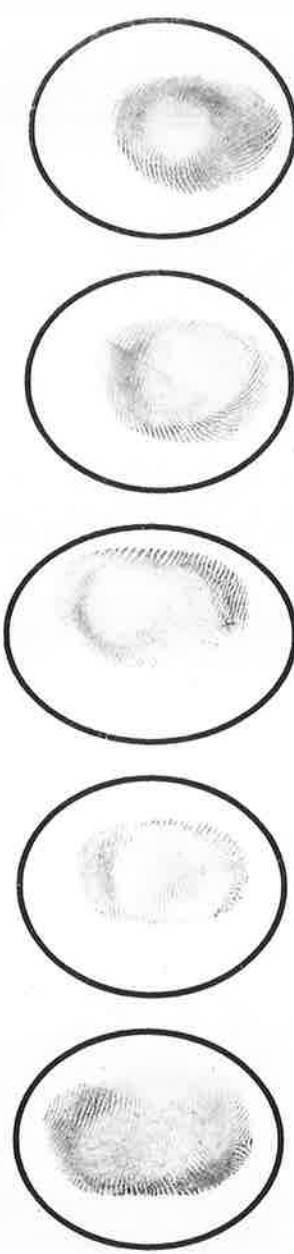


विक्रेता के हस्ताक्षर

**क्रेता का नाम व पता-श्री राम पुत्र राम दीन निवासी-115, सहर, रायबरेली, उ०प्र०**  
**बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-**



**दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-**



क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक 14/07/2010 को

वही सं. 1 जिल्द सं. 11767

पृष्ठ सं. 95 से 120 पर क्रमांक 13129

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

  
नी. के. द्विवेदी

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

14/7/2010

